Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारत: लोग और अर्थव्यवस्था

अध्याय - 8

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

भाग - 1

पंकज वैष्णव

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा 12 के लिए
भूगोल की
पाठ्यपुस्तक



भारत लोग और अर्थव्यवस्था



विषय-सूची

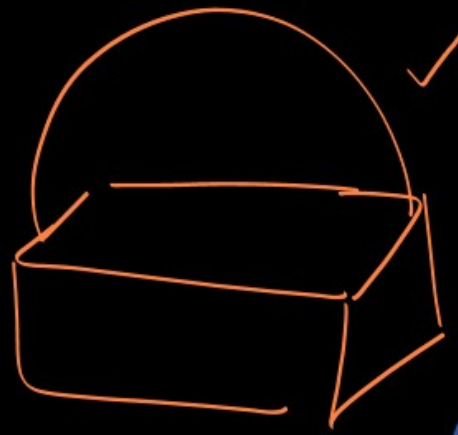
	आमुख	iii
	पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन	v
	इकाई I	
1.	जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन	1-14
	इकाई II	
2.	मानव बस्तियाँ	15-20
	इकाई III	
3.	भूसंसाधन तथा कृषि	21-40
4.	वन-संसाधन	41-52
5.	खनिज तथा ऊर्जा संसाधन	53-64
6.	भारत के संदर्भ में नियोजन और सततपोषणीय विकास	65-73
	इकाई IV	
7.	परिवहन तथा संचार	74-83
8.	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	84-92
	इकाई V	
9.	भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ	93-103
	परिशिष्ट	104-111
	शब्दावली	112
	संदर्भ पुस्तकें	113-114

© NCERT not to be republished

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार



- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सभी देशों के लिए परस्पर लाभदायक
  (चूँकि, कोई भी देश आत्मनिर्भर नहीं)

हाल के वर्षों में भारत के अंतर्राष्ट्रीय-व्यापार में मात्रा, संघटन के साथ-साथ व्यापार की दिशा में आमूल परिवर्तन

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार



- यद्यपि, विश्व व्यापार में भारत की भागीदारी कुल मात्रा का केवल 1%
- तथापि, विश्व-अर्थव्यवस्था में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका

भारत के अंतर्राष्ट्रीय-व्यापार का बदलता प्रारूप (Pattern)

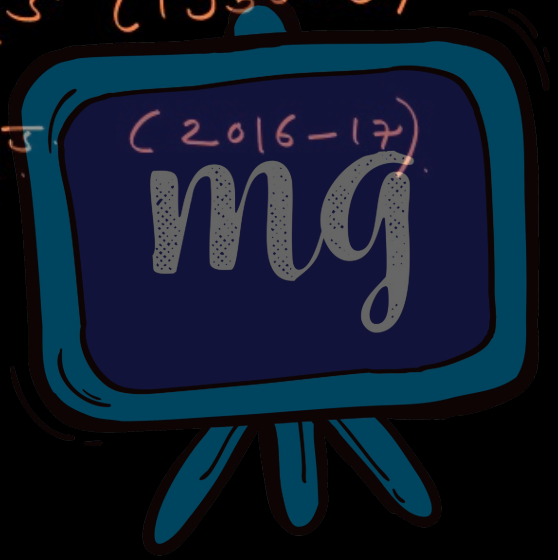
- 1950-51 :- भारत का विदेशी-व्यापार 1,214 करोड़ रु.
- 2016-17 :- " " 44,29,762 करोड़ रु.

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

~ 12 ∞ करोड़ (1950-51)

~ 45,00,008 करोड़ (2016-17)



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

विदेशी व्यापार में तीव्र वृद्धि के कारण

1991 → LPG

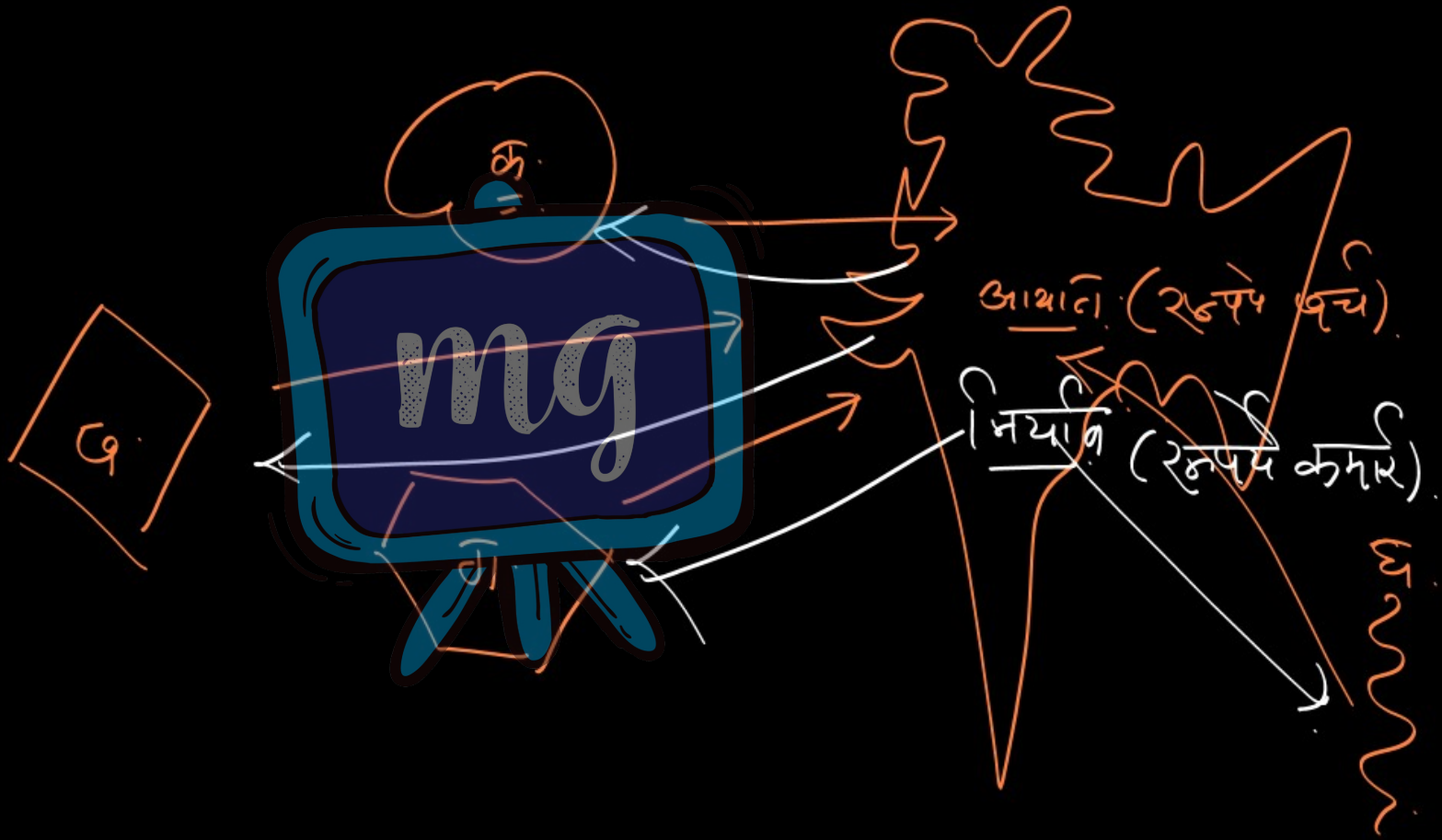
- विनिर्माण-क्षेत्र में गतिशील उठान
- सरकार की उदार नीतियाँ
- बाज़ारों की विविधरूपता

- समय के साथ भारत के विदेशी-व्यापार की प्रकृति में बदलाव आया।

आयात एवं निर्यात दोनों में वृद्धि हुई
निर्यात की तुलना में आयात का मूल्य अधिक

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



व्यापार संतुलन → आयात > निर्यात

(प्रतिकूल संतुलन)

-ve

निर्यात > आयात

(+ve)

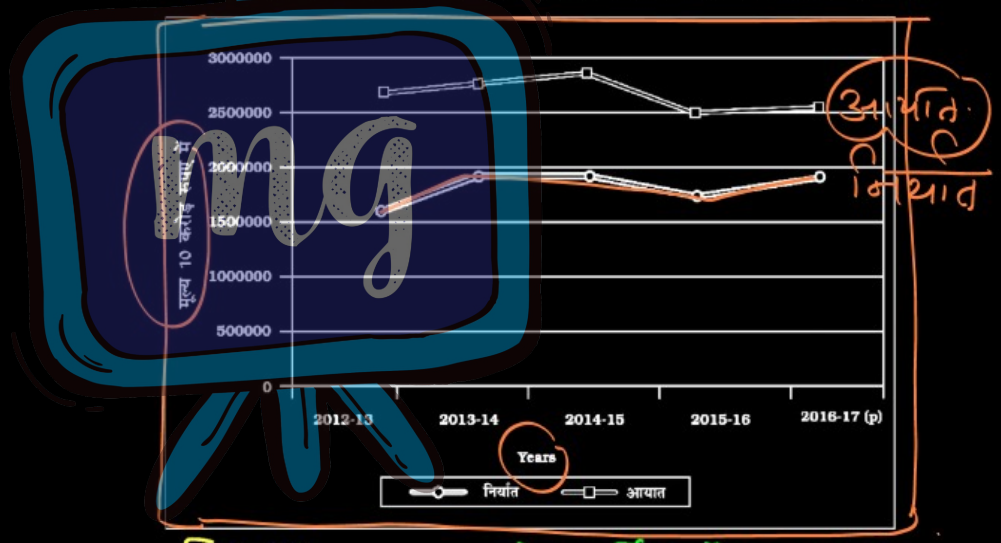
Under CSR Support by
ipca | Foundation

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

भारत के निर्यात-संघटन का बदलता प्रारूप

(वर्ष 2012-13 से 2016-17 के दौरान)

भारत के विदेश व्यापार में निर्यात एवं आयात के बीच अंतर का फैलाव



चित्र : 8.1

स्रोत : आर्थिक सर्वेक्षण, 2016-17

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

भारत का विदेश व्यापार

(रु. करोड़ में)

वर्ष	निर्यात	आयात	कुल व्यापार	व्यापार संतुलन
2004-05	3,75,340	5,01,065	8,76,405	-1,25,725
2009-10	8,45,534	13,63,736	22,09,270	-5,18,202
2013-14	19,05,011	27,15,434	46,20,445	-8,10,423
2016-17	18,52,340	25,77,422	44,29,762	-7,25,082

तालिका: 8.1

स्रोत: http://commerce.nic.in/publications/annual report-2010-11 2016-17

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

भारत का निर्यात संघटन (2009-17)

(निर्यात में % अंश)

वस्तुएँ/माल	2009-10	2010-11	2015-16	2016-17
कृषि एवं समवर्गी उत्पाद	10.0	9.9	12.6	12.3
अयस्क एवं खनिज	4.9	4.0	1.6	1.9
विनिर्मित वस्तुएँ	67.4	68.0	72.9	73.6
पेट्रोलियम व अपरिष्कृत उत्पाद	16.2	16.8	11.9	11.7
अन्य वस्तुएँ	1.5	1.2	1.1	0.5

तालिका: 8.2

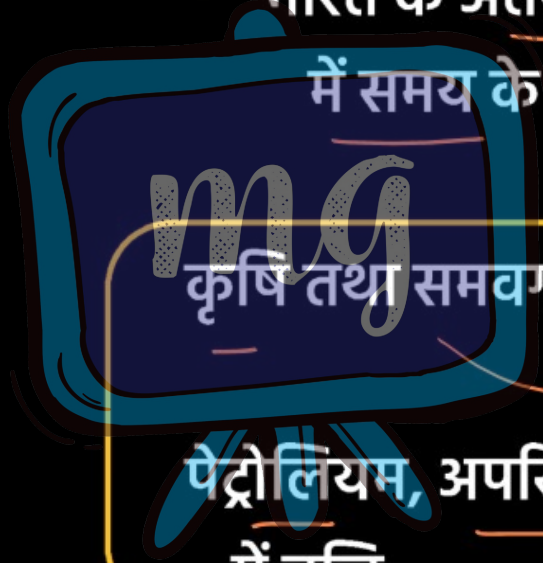
स्रोत : आर्थिक सर्वेक्षण 2016-17

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

- भारत के अंतर्राष्ट्रीय-व्यापार में वस्तुओं के संघटकों में समय के साथ बदलाव आए



- कृषि तथा समवर्गी उत्पादों का हिस्सा घटा
- पेट्रोलियम, अपरिष्कृत उत्पादों एवं अन्य वस्तुओं में वृद्धि

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

- कृषि उत्पादों (कॉफ़ी, काजू, दाल आदि परंपरागत वस्तुओं) के निर्यात में कमी हुई
- हालाँकि पुष्प-उत्पाद, ताज़े-फल, समुद्री-उत्पाद, चीनी आदि के निर्यात में वृद्धि हुई

परंपरागत वस्तुओं के व्यापार में गिरावट का मुख्य कारण

- कड़ी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

- 2016-17 के दौरान अकेले विनिर्माण-क्षेत्र ने भारत के कुल निर्यात मूल्य में 73.6% की भागीदारी की
- भारत के विदेश-व्यापार में मणि/रत्नों और आभूषणों की एक व्यापक हिस्सेदारी

हमारे प्रमुख प्रतिस्पर्धी:-

चीन और अन्य पूर्वी-एशियाई देश

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

भारत के आयात-संघटन के बदलते प्रारूप

- भारत में 1950 एवं 1960 के दशक में खाद्यान्नों की गंभीर कमी

- उस समय आयात की प्रमुख वस्तुएँ
  खाद्यान्न, पूँजीगत माल, मशीनरी आदि

- उस समय भुगतान-संतुलन बिल्कुल विपरीत था
- आयात-प्रतिस्थापन के सभी प्रयासों के बावजूद आयात, निर्यातों से अधिक था

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

- 1970 के दशक के बाद हरित-क्रांति में सफलता मिलने पर खाद्यान्नों का आयात रोक दिया गया

- लेकिन, 1973 में आए ऊर्जा-संकट की वजह से:-
  - पेट्रोलियम (पदार्थों) के मूल्य में उछाल
  - परिणामस्वरुप आयात बजट बढ़ा

खाद्यान्नों के आयात की जगह उर्वरक, पेट्रोलियम ने ले ली

मुख्य रूप से मशीन, खाद्य-तेल, रसायन, विशेष-स्टील आयात-व्यापार की रचना करते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कुछ प्रमुख उपयोगी वस्तुओं का निर्यात

रु. करोड़ में

वस्तुएँ	2016-17 00 रु. में
कृषि एवं समवर्गी उत्पाद	2,28,001
अयस्क एवं खनिज	35,947
विनिर्माणक सामान	13,63,232
खनिज ईंधन और लुब्रिकेंट्स	2,16,280

तालिका: 8.3

स्रोत : आर्थिक सर्वेक्षण 2016-17

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत का आयात संघटन, 2009-2017

(प्रतिशत में)

उपयोगी वस्तुएँ	2009-10	2010-11	2015-2016	2016-17
खाद्य तथा संबंधित वस्तुएँ	3.7	2.9	5.1	5.6
ईंधन (कोयला, पी ओ एल)	33.2	31.3	25.4	26.7
उर्वरक	2.3	1.9	2.1	1.3
पेपर बोर्ड विनिर्मित और न्यूज प्रिंट	0.5	0.6	0.8	0.9
पूंजीगत वस्तुएँ	15.0	13.1	13.0	13.6
अन्य	42.6	47.7	38.1	37.0

तालिका 8.4

स्रोत : आर्थिक सर्वेक्षण, 2016-17

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- तालिका 8.4 यह दिखाती है कि पेट्रोलियम-उत्पादों के आयात में तेज़ वृद्धि हुई

आयात - मूल्य

प्रयोग :- ईंधन के रूप
उद्योगों में कच्चे माल के रूप में

- इससे औद्योगीकरण और बेहतर जीवन-स्तर का संकेत मिलता है।
- इसके अन्य कारणों में अंतर्राष्ट्रीय-बाज़ार में इसकी मूल्यवृद्धि भी शामिल है

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

मशीनरी

पूँजीगत-वस्तुओं के आयात में एक स्थिर वृद्धि होती रही है

कारण :- निर्यातामिमुख उद्योगों एवं घरेलू क्षेत्र की बढ़ती माँग

मुख्य पूँजीगत वस्तुएं

गैर-वैद्युतिक मशीनरी, परिवहन-उपकरण, मशीन, औज़ार आदि

खाद्य-तेलों के आयात में आई कमी के साथ खाद्य तथा समवर्गी उत्पादों के आयात में भी कमी आई

Under CSR Support by ipca | Foundation

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

कुछ प्रमुख वस्तुओं का आयात

(करोड़ रु. में)

वस्तुएँ	2016-17
उर्वरक एवं उर्वरक विनिर्मितियाँ	33,726
खाद्य तेल	73,048
लुगदी (लुगदी) तथा अपशिष्ट पेपर (कागज़)	6,537
अलौह धातुएँ	2,62,961
लोहा और इस्पात	55,278
पेट्रोलियम एवं उत्पाद	5,82,762
मोती, बहुमूल्य एवं अल्प मूल्य रत्न	1,59,464
चिकित्सीय एवं फार्मा उत्पाद	33,504
रासायनिक उत्पाद	1,47,350

तालिका 8.5

स्रोत : आर्थिक सर्वेक्षण 2016-17

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार



भारत के आयात में अन्य प्रमुख वस्तुएं

- स्वर्ण, चाँदी, मोती
- लौह-धातु
- इलेक्ट्रॉनिक-वस्तुएँ

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

व्यापार की दिशा

- विश्व के अधिकांश देशों एवं प्रमुख व्यापारी-गुटों के साथ भारत के व्यापारिक-संबंध

- वर्ष 2016-17 का क्षेत्रानुसार एवं उपक्षेत्रानुसार व्यापार तालिका 8.6 में दिया गया है

Under CSR Support by ipca | Foundation

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

भारत के आयात-व्यापार की दिशा

(रु. करोड़ में)

प्रदेश	आयात 2016-17
यूरोप	4,03,972
अफ्रीका	19,332
उत्तरी अमेरिका	1,95,332
लैटिन अमेरिका	1,15,762
एशिया एवं आसियान	15,44,520

तालिका: 8.6

स्रोत: http://commerce.nic.in/publications/annual report-2010-11 2016-17

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

भारत का उद्देश्य

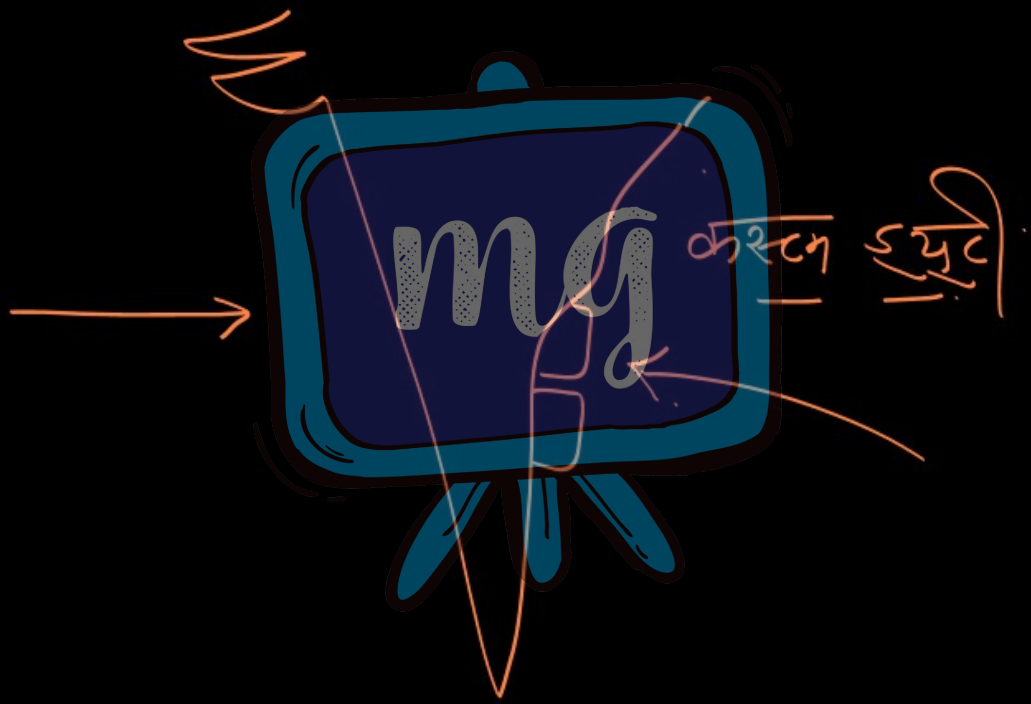
आगामी पाँच वर्ष में अंतर्राष्ट्रीय-व्यापार में अपनी हिस्सेदारी को दुगुनी करना

हमने इस दिशा में अनुकूल उपाय अपनाने शुरु कर दिए हैं:-

- आयात उदारीकरण
- आयात करों में कमी
- डि-लाइसेंसिंग

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

- भारत का अधिकतर विदेशी-व्यापारः-
  - समुद्री-मार्ग → 95%
  - वायु-मार्ग

विदेशी-व्यापार का छोटा-सा भाग सड़क मार्ग द्वारा
(नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, पाकिस्तान के साथ)